सूर्यदेव आरती PDF

॥ आरती श्री सूर्य जी ॥

जय कश्यप–नन्दन,ॐ जय अदिति नन्दन।

त्रिभुवन – तिमिर – निकन्दन,भक्त–हृदय–चन्दन॥

जय कश्यप–नन्दन, ॐ जय अदिति नन्दन।

सप्त–अश्वरथ राजित,एक चक्रधारी।

दुःखहारी, सुखकारी,मानस–मल–हारी॥

जय कश्यप–नन्दन, ॐ जय अदिति नन्दन।

सुर – मुनि – भूसुर – वन्दित,विमल विभवशाली।

अघ–दल–दलन दिवाकर,दिव्य किरण माली॥

जय कश्यप–नन्दन, ॐ जय अदिति नन्दन।

सकल – सुकर्म – प्रसविता,सविता शुभकारी।

विश्व–विलोचन मोचन,भव–बन्धन भारी॥

जय कश्यप–नन्दन, ॐ जय अदिति नन्दन।

pdfinbox.com

कमल–समूह विकासक,नाशक त्रय तापा।

सेवत साहज हरतअति मनसिज–संतापा॥

जय कश्यप–नन्दन, ॐ जय अदिति नन्दन।

नेत्र–व्याधि हर सुरवर,भू–पीड़ा–हारी।

वृष्टि विमोचन संतत,परहित व्रतधारी॥

जय कश्यप–नन्दन, ॐ जय अदिति नन्दन।

सूर्यदेव करुणाकर,अब करुणा कीजै।

हर अज्ञान–मोह सब,तत्त्वज्ञान दीजै॥

जय कश्यप–नन्दन, ॐ जय अदिति नन्दन।

pdfinbox.com

pdfinbox.com